

ये अव्यक्त इशारे



स्वयं और सर्व के प्रति मन्सा द्वारा
योग की शक्तियों का प्रयोग करो



13-10-2025

जितना स्वयं को मन्सा सेवा में बिजी रखेंगे उतना सहज मायाजीत बन जायेंगे। सिर्फ स्वयं के प्रति भावुक नहीं बनो लेकिन औरों को भी शुभ भावना और शुभ कामना द्वारा परिवर्तित करने की सेवा करो। भावना और ज्ञान, स्नेह और योग दोनों का बैलेन्स हो। कल्याणकारी तो बने हो अब बेहद विश्व कल्याणकारी बनो।

**Experiment on yourself and others with
your mind with the powers of yoga.**

The busier you keep yourself in serving with your mind, the more easily you will become a conqueror of Maya. Do not have feeling just for yourself, but also do the service of transforming others with your good wishes and pure feelings. Let there be a balance of your devotional feelings with this knowledge, love and yoga. You have become benevolent, so now become unlimited world benefactors.

